Paper-V

Ashish Sertiya

PAGE NO.:

6. 1. Quaterly → तिमाही
2. Surplus → अधिशेष
3. Treasury → कोषागार
4. Verification → सत्यापन
5. Buffer Stock → बफर संचय
6. दूतावास → Ambassy
7. मताधिकार → Voting Right
8. राजपत्र → Gazette
9. न्यायिक अधिकार → Jurisdiction
10. अनुमोदन → Approval

8. i) मदांध → मद में अंधा → अधिकरण तत्पुरुष समास

ii) विनायक → वि + नै + अक

iii) घर-संसार → घर और संसार → द्विगु समास

iv) प्रति + उपकार → प्रत्युपकार

vi) शुक → तोता, कीर, सुआ, सुग्गा

v) शुष्क → आर्द्र

vii) कर्ण → कान
करण → कारक की तृतीय विभक्ति

2. Hindi → English Translation

It is the duty of the centre to promote the hindi language, so that it may become a medium of expression of all the cultural

Scanned with CamScanner

elements of India and without interfering in its tendency and including the forms and words of the languages enlisted in the eight schedule and of hindustani and wherever neccessary, adopting words mainly from Sanskrit and secondly from other languages, ensure its property.

3. अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद

जैसा कि हमारे संविधान में उल्लेखित है 26 जनवरी 1956, हिन्दी का संघ की राजभाषा के रूप में शुभारंभ का वह यादगार पल आ ही गया। वस्तुत: यह भारतीय भाषाओं के इतिहास में एक नया मोड़ है, जब यह अन्य गण्य में आधिकारिक कार्यों के लिए उपयोग में लाई जाएगी। इसलिए अब यह आवश्यक हो गया है कि ऐसी सर्वमान्य शब्दावली को चलन में लाया जाए जो कि हिन्दी एवं अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में आधिकारिक कार्यों एवं नोटिंग में प्रयुक्त की जा सके।

4. स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ

स्वतंत्रता की अपनी एक सीमा निर्धारित है। इस सीमा के पार करने के उपरांत यह स्वेच्छाचारिता एवं उच्छृंखलता में परिवर्तित हो जाती है। स्वतंत्रता का आनंद लेते समय हमें यह सदा स्मरण में रखना चाहिए कि स्वतंत्रता से हमारी स्वतंत्रता किसी दूसरे को हानि न पहुँचाये।

Scanned with CamScanner

5. ## 51 वाँ भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

25 जनवरी 2021
पणजी, गोवा

51 वाँ अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 16 जनवरी 2021 से गोवा की राजधानी पणजी में आरंभ किया गया। कोविड-19 महामारी के कारण इस बार का आयोजन 'हाइब्रिड-मोड' में किया गया जिसके अंतर्गत कोविड-19 संबंधित दिशानिर्देशों का विशेष रूप से पालन किया गया। इस महोत्सव में अनेक प्रकार की अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई।

इस महोत्सव में 'बांग्लादेश' को फोकस देश के रूप में चुना गया और इसकी चार फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई।

भारत सरकार के कई मंत्रीगण, बॉलीवुड के कई अभिनेता एवं अभिनेत्रियों ने इस महोत्सव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त कई विदेशी कलाकारों ने अपनी उपस्थिति से इस महोत्सव को सुशोभित कर दिया।

इस महोत्सव की समाप्ति भी काफी रंगारंग रही। अनेक प्रकार की नृत्य शैलीओं का सुंदर प्रस्तुतिकरण किया गया जिससे यहां पर उपस्थित सामान्य जन एवं अतिथिगण मंत्रमुग्ध हो गए।

Scanned with CamScanner

5. संख्या → AA/22/2020
जिलाधिकारी कार्यालय
फूलबाग रोड, रतलाम (म.प्र.)

कार्यालय आदेश

9 फरवरी 2021

कोविड-19 महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन के पश्चात अनलॉक की प्रक्रिया शुरु हो गई है। परंतु अभी कोविड-19 का खतरा पूरी तरह नहीं टला है। इसलिए अभी बाजारों को सशर्त खोलने की स्वीकृति है। समस्त व्यापारियों एवं आमजनों को सूचित किया जाता है कि समस्त बाजार केवल रात्रि 8 बजे तक ही खोले जा सकेंगे। सभी व्यापारियों एवं बाजार आनेवाले लोगों को मास्क लगाना अनिवार्य होगा। नियमों का उल्लंघन करनेवाले महामारी नियंत्रण अधिनियम 1897 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

आज्ञा से
[signature]
क. ख. ग.
जिलाधिकारी, रतलाम
(म.प्र.)

9. (i) जैसे-जैसे मानव सभ्यता विकास कर रही है वैसे-वैसे मनुष्य को कई आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं का सामना कर पड़ रहा है। उसकी भौतिकवादी मानसिकता के कारण समाज में आज आपराधिक प्रवृत्ति की समस्या मुख्य रूप से देखी जा रही है।

(ii) मनुष्य ने आज अपनी ईमानदारी और विवेक का त्याग करके सिर्फ भौतिक वस्तु सुखों को संचित करने में लगा हुआ है। इसके लिए वह अपराध करने में भी संकोच नहीं कर रहा है।

(iii) नैतिक मूल्य वह मानक होते हैं जिनके आधार पर कोई भी व्यक्ति यह जान कर सकता है कि कोई वस्तु हानिकारक है या लाभदायक है।

(iv) आधुनिक मनुष्य की सबसे प्रबल इच्छा यह है कि उचित या अनुचित, किसी भी प्रकार से सभी भौतिक सुख-सुविधाओं का संचय कर ले।

(v) आजकल मनुष्य ईमानदारी एवं विवेक का त्याग करके संसार में व्याप्त सभी भौतिक सुखों को प्राप्त करने की कामना करता है। परंतु सत्य तो यह है कि बिना ईमानदारी और विवेक के इसकी कामना करना असंभव है।

7. (i) अपना उल्लू सीधा करना → अपना स्वार्थ सिद्ध करना

वाक्य → आजकल तो सारे लोग अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए हैं।

(v) गंगा गए तो गंगादास, जमुना गए तो जमुनादास → स्थिति के अनुरूप स्वयं को परिवर्तित कर लेना

वाक्य → कल मंदिर आया था तब धोती-कुर्ता पहने हुए था और आज मॉल में जींस-टीशर्ट पहनकर आया है। इसपर तो वही कहावत चरितार्थ होती है कि गंगा गए तो गंगादास, जमुना गए तो

जमुनादास।

vi) अंधों में काना राजा → बुद्धिहीनों के बीच में थोड़ी बुद्धिवाले को भी बहुत आदर होता है।

वाक्य :- दसवीं पास रमेश इसके अनपढ़ गाँववालों के लिए अंधो में काने राजा के समान है।

viii) "गुदड़ी का लाल होना → तुच्छ स्थान पर गुणी व्यक्ति का होना

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री गुदड़ी के लाल थे।

vii) हाथ आगे बढ़ाना → किसी की सहायता करने की चेष्टा करना

इस भौतिकवादी युग में मुसीबत के समय में कोई सहायता के लिए हाथ आगे बढ़ा दे तो वह बहुत बड़ी बात है।

1. (C). औपचारिक पत्र वह पत्र होता है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक सरकारी अधिकारियों, कार्यालयों विभागों एवं मंत्रालयों द्वारा पत्राचार के लिए लिखा जाता है।

~~इसकी भाषा~~

1 (D) करण कारक → यह क्रिया के साधन या उपकरण को दर्शाता है।

अपादान कारक → यह अलगाव को दर्शाता है।

1(E) दो या दो से अधिक शब्दों के परस्पर मेल से बने हुए सार्थक शब्द को समास कहते हैं।

1(F) उपसर्ग वे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के आगे जुड़कर उसे विशेष अर्थ प्रदान करते हैं।

उदा. → अप → अपयश
बद → बदतमीज़, बदनाम
नेक → नेकदिल
आ → आजीवन

1(G)

संधि	समास
• दो वर्णों के मेल से जो विकार आता है उसे संधि कहते हैं।	• दो शब्दों के परस्पर मेल से जो नया शब्द बनता है, उसे समास कहते हैं।
• इसके विखंडन को संधि-विच्छेद कहते हैं।	• इसके विखंडन को समास-विग्रह कहते हैं।

1(H) पल्लवन :- • इसके किसी मूल भाव का सविस्तार वर्णन किया जाता है।
• इसमें आलोचनात्मक टिप्पणी की आशा नहीं होती।
• इसे 'लघु निबंध' कहते हैं।

1(I) प्रारूप आलेखन का प्रयोग सरकारी पत्राचार में किया जाता है। इसमें आवश्यक रूप से क्रम संख्या, विषय, इत्यादि का प्रयोग किया जाता है।

1(J) अनुस्वार → ये अयोगवाह होते हैं क्योंकि

Scanned with CamScanner

न ही पूरी तरह से स्वर हैं और न ही व्यंजन परन्तु फिर भी अर्थ वहन करते हैं।

• अनुस्वार → ं

1(K) कंठ्य ध्वनियाँ वे होती हैं ~~जि~~ जिनका उच्चारण कंठ से किया जाता है।

उदाहरण → क वर्ग, अ, आ
(क, ख, ग, घ, ङ)

1(L) जब एक से अधिक विभागों को एकसाथ किसी सूचना से अवगत ~~कराना~~ कराना हो तब ~~हम~~ हम परिपत्र का उपयोग करते हैं।

1(M) 11 वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन मॉरीशस में हुआ था। यह वर्ष ई 2018 में हुआ था।

1(N) कौरवी पश्चिमी हिन्दी की एक उपबोली है।

1(O) हिन्दी का प्रथम काल → भारतेंदु युग (1850-1900)

1(P) तालव्य → जिन ध्वनियों का उच्चारण तालु के द्वारा किया जाता है।

उदा. → च वर्ग, इ, ई
(च, छ, ज, झ, ञ)

1(Q) यण संधि → यदि इ, ई, उ, ऊ के बाद अ, ऊ, ए इत्यादि आएँ तो जो परिवर्तन उत्पन्न होता है, उसे यण संधि कहते हैं।

इति + आदि → इत्यादि
अति + आचार → अत्याचार

1(R) जो शब्दांश शब्द के आगे जुड़कर उसको एक विशेष अर्थ प्रदान करते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं।

उदा. → आजीवन, आजन्मा

1(S) हिन्दी के पहले कवि →

1(T) कर्मधारय → जिन सामासिक पदों में पूर्वपद एवं उत्तरपद के बीच उपमान - उपमेय अथवा विशेषण - विशेष्य का संबंध हो, कर्मधारय समास कहलाते हैं।

कनकलता → कनक के समान लता

बहुव्रीहि → जिन सामासिक पदों में कोई भी पद प्रधान नहीं होता और दोनों पद किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं, बहुव्रीहि समास कहलाते हैं।

लंबोदर → लंबा है उदर जिसका अर्थात् गणेश

1(A) परसर्ग → परसर्ग वह होता है जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसे विशेष अर्थ प्रदान करता है।

उदा. कलम से, हाथ पर इत्यादि।

विभक्ति → कारकों का बोध कराने के लिए जो प्रत्यय संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के आगे लगा दिए जाते हैं, उन्हें विभक्ति कहते हैं।

Scanned with CamScanner

2(B) <u>पर्यायवाची</u> <u>के प्रकार</u> :- पूर्ण, पूर्णापूर्ण, अपूर्ण

Scanned with CamScanner